बिज़नेस स्टैंडर्ड
Business Standard Ltd. Copyright & Disclaimer feedback@business-standard.com
Thu, 12 Jan-17; Business Standard - Hindi - Delhi; Size : 208 sq.cm.;
Page : 3

डिजिटलीकरण ने आसान बनाया एमएफ में निवेश

स्मार्टफोन आधारित ऐप से म्युचुअल फंड निवेशकों व सलाहकारों को मिल रही है मदद

चंदन किशोर कांत
मुंबई, 11 जनवरी

म्युचुअल फंड में निवेश इतना सुविधाजनक कभी नहीं था, जैसा कि आज है। मोबाइल फोन इस्तेमाल करने वाले 30 फीसदी यानी 30 करोड़ लोग पिछले कुछ सालों में मोबाइल स्मार्ट प्लेटफॉर्म पर सवार हो गए हैं, लिहाजा भारत में म्चुयुअल फंड कंपनियां तेजी से उपभोक्ताओं की जरूरतों के मुताबिक अपने आपको बदल रही हैं ताकि निवेशकों तक आसानी से पहुंचा जा सके।

कई फंड हाउस ने इस ओर कदम बढ़ाया है और हाल में स्मार्टफोन आधारित ऐप पेश किया है ताकि निवेशकों और वित्तीय सलाहकारों को आसानी हो। इससे पूरी प्रक्रिया न सिर्फ आसान व कम समय में पूरा करने वाली हो गई है बल्कि यह भी सुनिश्चित हुआ है कि निवेशक अपने निवेश पर कहीं से भी निगरानी रख सकते हैं। इसके अलावा निकासी, दूसरे फंड में निवेश स्विच करना और अतिरिक्त खरीद जैसी सुविधा ने निवेशकों को पहले के मुकाबले तेज गति से अपना काम पूरा करने में मदद की है। संक्षेप में कहें तो स्मार्टफोन के जरिए आप आसानी से म्युचुअल फंड में निवेश की शुरुआत कर सकते हैं।

हाल तक ऑनलाइन निवेश में केवाईसी को अवरोध के तौर पर माना जाता था, लेकिन कई फंड हाउस की तरफ से ई-केवाईसी की पहल के बाद मोबाइल ऐप व पोर्टल के जरिए निवेश में मजबूती आई है। उद्योग के

अधिकारियों को डिजिटल विस्तार म्युचुअल फंड उद्योग की विशेषता के तौर पर नजर आ रहा है जिसका काफी कम विस्तार हुआ है यानी भारत की आबादी के 2 फीसदी से भी कम लोगों तक।

मोबाइल ऐप पेश करना फंड हाउस की रणनीति का हिस्सा है ताकि निवेशकों के लिए प्रक्रिया सुविधाजनक और अवरोध मुक्त हो। अभी इस क्षेत्र में जो ऐप उपलब्ध हैं उनमें आईपीआरयू टच आईसीआईसीआई प्रू म्युचुअल फंड का है जबकि फिन गो ऐप बिड़ला सन लाइफ म्चुयुअल फंड का। रिलायंस म्युचुअल फंड का भी मोबाइल ऐप है जबकि ऐक्सिस म्युचुअल फंड का ईजी ऐप, यूटीआई म्युचुअल फंड का यूटीआई बडी और एचडीएफसी म्युचुअल फंड का ऐप भी है। इसके अलावा ट्रांसफर एजेंसियां मसलन कंप्यूटर ऐज मैनेजमेंट सर्विसेज यानी कैम्स व कार्वी के भी अपने मोबाइल ऐप माई कैम्स व केट्रैक हैं।

अब निवेशकों को अपने खाते की जानकारी, वित्तीय विवरण या चेक के भुगतान आदि की जानकारी के लिए लंबा इंतजार करने की दरकार नहीं होती है। निवेशकों को केवाईसी का अनुपालन करना होता है। कोई भी आसानी से निवेश कर सकता है चाहे वह एकमुश्त निवेश हो या फिर एसआईपी।